महात्मा गांधी की 154वीं जयंती

प्रिलिम्स के लिये:

महात्मा गांधी, भारतीय बैंकनोट, भारतीय रिज़र्व बैंक, सेवाग्राम आश्रम, **स्वच्छ भारत अभियान**, सत्य, अहिंसा

मेन्स के लिये:

समकालीन विश्व में महात्मा गांधी के सिद्धांतों और शिक्षाओं की प्रासंगिकता

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

चर्चा में क्यों?

स्वतंत्रता संग्राम में उनके अपरिहार्य भूमिका के आलोक में 2 अक्तूबर, 2023 को पूरे देश में महात्मा गांधी की 154वीं जयंती मनाई गई। उनके सिद्धांत और आदर्श वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक हैं तथा राष्ट्र को प्रेरित करते हैं।

- स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान के कारण उन्हें **"राष्ट्रपिता"** की उपाधि प्राप्त हुई, जिसके कारण उनका चित्र भारतीय बैंकनोटों पर चित्रित किया गया।
- बहुआयामी व्यक्तित्व वाले **महात्मा गांधी संगीत में गहरी रुचि रखते थे** और उन्होंने हमेशा ही **पर्यावरण की सुरक्षा को बढ़ावा दिया**।

महात्मा गांधी:

मोहनदास करमचंद गांधी

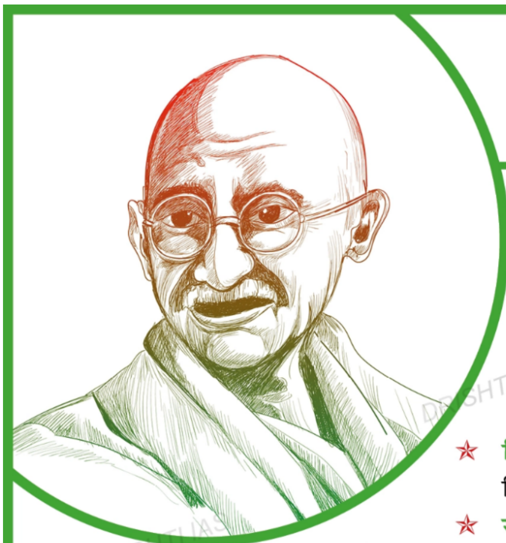

संक्षिप्त परिचय

- **जन्म:** **2** अक्तूबर, **1869**; पोरबंदर (गुजरात).
  - **2** अक्तूबर को **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- **प्रोफाइल:** वकील, राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्त्ता, लेखक तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों के नेतृत्वकर्त्ता।
  - राष्ट्रपिता (सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इस नाम से संबोधित किया)।
- **विचारधारा:** अहिंसा, सत्य, ईमानदारी, प्रकृति की देखभाल, करुणा, दलितों के कल्याण आदि के विचारों में विश्वास करते थे।
- **राजनीतिक गुरु:** गोपाल कृष्ण गोखले

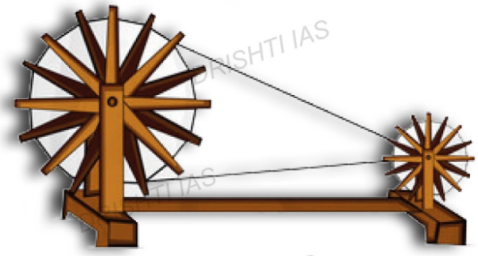

- **मृत्यु:** नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर हत्या (**30 जनवरी**, **1948**)।
  - **30** जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- नोबेल शांति पुरस्कार के लिये पाँच बार नामित किया गया।

दक्षिण अफ्रीका में गांधी (1893–1915)

- नस्लवादी शासन (मूल अफ्रीकी और भारतीयों के साथ भेदभाव) के खिलाफ सत्याग्रह।
  - दक्षिण अफ्रीका से उनकी वापसी के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष **9** जनवरी को **प्रवासी भारतीय दिवस (PBD)** मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- छोटे पैमाने के विभिन्न आंदोलन जैसे- चंपारण सत्याग्रह **(1917)**, प्रथम सविनय अवज्ञा, अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)- पहली भूख हड़ताल और खेड़ा सत्याग्रह **(1918)**- पहला असहयोग।
- **राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन:** रॉलेट एक्ट के खिलाफ **(1919)**, असहयोग आंदोलन **(1920-22)**, सविनय अवज्ञा आंदोलन **(1930&34)**, भारत छोड़ो आंदोलन **(1942)**।
- **गांधी-इरविन समझौता (1931):** गांधी और लॉर्ड इरविन के बीच जिसने सविनय अवज्ञा की अवधि के अंत को चिह्नित किया।
- **पूना पैक्ट (1932):** गांधी और **बी.आर. अंबेडकर** के बीच; इसने वंचित वर्गों के लिये अलग निर्वाचक मंडल के विचार को छोड़ दिया (सांप्रदायिक पंचाट)।

पुस्तकें

हिंद स्वराज, माय एक्सपेरिमेंट विथ ट्रुथ (आत्मकथा)

साप्ताहिक पत्रिकाएँ

हरिजन, नवजीवन, यंग इंडिया, इंडियन ओपिनियन

गांधी शांति पुरस्कार

भारत द्वारा गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिये दिया जाता है।

उद्धरण

- **"खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सामंजस्य में हों।"**
- **"कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।"**
- **"आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिये। मानवता सागर के समान है; यदि सागर की कुछ बूँदें गंदी हैं, तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता।"**

DRISHTI IAS

भारतीय मुद्रा और गांधी की तस्वीर:

- **भारतीय मुद्रा पर गांधी की तस्वीर मुद्रति होने की शुरुआत:**
    - बैंक नोटों पर दखिाई देने वाली गांधी की तस्वीर वर्ष 1946 में ली गई उनकी एक तस्वीर का कट-आउट, अर्थात एक भाग है, जसिमें **वह ब्रटिशि राजनेता लॉर्ड फ्रेडरकि वलियिम पेथकि-लॉरेंस के साथ खड़े हैं।**
    - इस तस्वीर के चयन का प्रमुख कारण यह है कि इस तस्वीर में गांधीजी की मुस्कुराहट की अभव्यिक्त सिबसे उपयुक्त थी, साथ ही यह तस्वीर कट-आउट चत्रि की दर्पण छव (मरिर इमेज) है।
    - **भारतीय रज़िर्व बैंक अधनियिम की धारा 25 के अनुसार,** बैंकनोट की रूपरेखा (डज़िाइन), स्वरूप और सामग्री भारतीय रज़िर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड की अनुसंशा पर वचिार करने के उपरांत केंद्र सरकार के अनुमोदन के अनुरूप की जाती है।
- **भारतीय नोटों पर पहली बार गांधीजी की तस्वीर:**
    - गांधीजी की **100वीं जयंती** के उपलक्ष्य में **वर्ष 1969 में** नोटों की एक नई सीरीज़/शृंखला जारी करने के साथ ही पहली बार भारतीय मुद्रा पर गांधी की तस्वीर अंकति की गई थी।
    - फरि **अक्तूबर 1987 में गांधीजी की तस्वीर वाले 500 रुपए के नोटों की एक शृंखला शुरू** की गई।
- **बैंक नोटों पर गांधी का स्थायत्वि:**
    - गांधी के चयन का कारण उनका राष्ट्रीय महत्त्व था और वर्ष **1996 में** भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा अशोक स्तंभ वाले बैंक नोटों को प्रतस्थिापति करने के लयि एक नई 'महात्मा गांधी शृंखला' शुरू की गई थी।
    - सुरक्षा की दृष्टि से इन नोटों में एक गुप्त छव, वडिोड सक्यिोरटिी थ्रेड तथा दृष्टबाधति लोगों के लयि इंटैग्लयिो सुवधिाओं से लैस कयिा गया था।

संधारणीयता के संबंध में गांधी के वचिार:

- **सादगी और न्यूनतावाद:**
    - गांधीजी ने सरल और न्यूनतावादी जीवन शैली को बढ़ावा दयिा। उनका मानना था कि लोगों को आवश्यकता से कम उपभोग करना चाहयि और सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत करना चाहयि।
    - सरल जीवन अथवा "[सर्वोदय]" का यह वचिार संसाधनों के संरक्षण और पारस्थितिकि फुटप्रटि को कम करने के वचिार को प्रोत्साहति करता है।
- **आत्मनरि्भरता:**
    - गांधीजी ने सामुदायकि स्तर पर आत्मनरि्भरता के महत्त्व पर काफी बल दयिा। उन्होंने भोजन, वस्त्र और अन्य बुनयिादी आवश्यकताओं के मामले में **गाँवों को आत्मनरि्भर बनने** के वचिार को बढ़ावा दयिा।
    - यह दृष्टकिोण बाहरी संसाधनों पर नरि्भरता को कम करने के साथ ही लंबी दूरी के परविहन तथा व्यापार से जुड़े पर्यावरणीय प्रभावों को कम करता है।
- **अहसिा:**
    - गांधीजी के अहसिा के सद्धिांत में मानवीय संबंधों के साथ-साथ सभी जीवति प्राणी और पर्यावरण समाहति हैं। **वह पशुओं के प्रत नैतकि व्यवहार में वशि्वास करते थे और स्वयं शाकाहारी थे।**
    - यह सभी प्राणयिों के कल्याण के प्रत उनकी चति और प्रकृत के साथ सौहार्दपूर्वक सह-अस्तत्वि के महत्त्व को दर्शाता है।
- **धारणीय कृषि का वचिार:**
    - गांधीजी ने धारणीय और [जैवकि कृषि पद्धतयिों] का समर्थन कयिा। उन्होंने मृदा की उर्वरता को बनाए रखने में रासायनकि तत्त्वों के उपयोग को कम करने तथा प्राकृतकि उर्वरकों, फसल चक्र और पारंपरकि खेती के तरीकों के उपयोग को बढ़ावा देने पर बल दयिा।
- **संसाधनों का संरक्षण:**
    - गांधीजी ने जल और वन जैसे **प्राकृतकि संसाधनों के उत्तरदायत्विपूर्ण उपयोग एवं संरक्षण** पर ज़ोर दयिा।
    - उनका मानना था आने वाली पीढ़यिों की इन संसाधनों तक पहुँच सुनश्चिति करने के लयि पर्यावरण की रक्षा और पुनरुद्धार आवश्यक हैं।
- **स्थानीयता और वकिेंद्रीकरण:**
    - गांधीजी सत्ता और संसाधनों के वकिेंद्रीकरण के समर्थक थे। वह स्थानीय समुदायों को अधकिार सौंपने में वशि्वास करते थे, जो उनकी अपनी पर्यावरणीय और धारणीय आवश्यकताओं के अनुरूप हो सकते हैं।
- **स्वदेशी:**
    - गांधीजी ने **स्वदेशी आंदोलन** को बढ़ावा दयिा, जसिने स्थानीय रूप से उत्पादति वस्तुओं और सामग्रयिों के उपयोग को प्रोत्साहति कयिा।
    - इस वचिार का उद्देश्य क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देना और लंबी दूरी के व्यापार द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को कम करना था।
- **प्रकृति का सम्मान:**
    - गांधी जी का मानना था कि मनुष्य को **प्रकृति के प्रत गहन सम्मान और श्रद्धा रखनी चाहयि।**
    - उन्होंने प्रकृति को मानव जीवन का एक अनवािर्य अंग माना और पर्यावरण के संधारणीय प्रबंधन का आह्वान कयिा।
- **वसुधैव कुटुंबकम्:**
    - **वसुधैव कुटुंबकम् (पूरा वशि्व एक परवािर है) में उनका वशि्वास, हम सभी एक वशि्व के नागरकि हैं, के वचिार को प्रोत्साहति करता है तथा यह रेखांकति करता है कि हमें वैश्वकि मुद्दों के प्रत सचेत रहना चाहयि।**

महात्मा गांधी की राजनीतकि वचिार का संगीत से संबंध:

- **भजन और धार्मकि संगीत:**

- गांधी का एक मज़बूत आध्यात्मिक पक्ष था और वह अक्सर **भजन (हिंदू धार्मिक गीत)** जैसे भक्ति संगीत का उपयोग अपने आंतरिक स्व से जुड़ने एवं सांत्वना पाने के साधन के रूप में करते थे।
    - उनका मानना था कि **भजन और धार्मिक गीत के गायन से मन को शुद्ध करने एवं परमात्मा के साथ संबंध जुड़ने** में मदद मिलती है।
- **प्रेरणादायक गीत:**
    - गांधीजी ने स्वतंत्रता संघर्ष में लोगों को एकजुट करने के लिये प्रेरणादायक और देशभक्ति गीतों के उपयोग को प्रोत्साहित किया।
    - **"रघुपति राघव राजा राम"** और **"वैष्णव जन तो"** जैसे गीत उनके प्रिय में से थे तथा अक्सर उनकी प्रार्थना सभाओं एवं सार्वजनिक समारोहों के दौरान गाए जाते थे।
- **उपवास और मौन:**
    - गांधीजी कभी-कभी विरोध प्रदर्शित करने या आत्म-शुद्धि के रूप में **उपवास और मौन** का अभ्यास करते थे।
    - इस दौरान वह अक्सर **लिखित संदेशों के माध्यम से दूसरों के साथ संवाद करते थे और अपने विचारों एवं भावनाओं को व्यक्त करने के लिये संगीत का उपयोग करते थे।**
- **सामुदायिक जुड़ाव:**
    - गांधीजी के अहिंसक आंदोलनों के दौरान **समुदायों को एक साथ लाने में** संगीत ने **महत्त्वपूर्ण भूमिका** निभाई।
    - मंत्रों, गीतों एवं संगीत ने [दांडी मार्च](#) जैसे विभिन्न अभियानों में भाग लेने वालों के बीच **एकता और एकजुटता की भावना** को बल प्रदान किया।
- **लोक संगीत को प्रोत्साहन:**
    - गांधी पारंपरिक भारतीय संस्कृति के समर्थक थे और लोक संगीत एवं कलाओं के संरक्षण में विश्वास करते थे।
    - उन्होंने **जन सामान्य से जुड़ने के लिये स्थानीय भाषाओं एवं संगीत के प्रयोग** को प्रोत्साहित किया, क्योंकि उनका मानना था कि वे अधिक प्रासंगिक और सुलभ थे।
- **अहिंसक आंदोलन में भूमिका:**
    - संगीत गांधीजी के नेतृत्व वाले [अहिंसक आंदोलनों](#) का एक अभिन्न अंग था। इसने लोगों को **प्रेरित करने और एकजुट करने, सामूहिक पहचान की भावना को बढ़ावा देने** तथा **चुनौतीपूर्ण समय के दौरान उनका मनोबल बढ़ाने** के साधन के रूप में कार्य किया।
- **सादगी का समर्थन:**
    - गांधीजी का सादगी और न्यूनतावाद का दर्शन संगीत तक विस्तृत था। वह **सरल एवं मधुर धुनों को प्राथमिकता** देते थे जिन्हें **आम लोग आसानी से समझ सकें और सराह सकें**।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन अंग्रेज़ी में प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतों के अनुवाद 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रिज़न' से संबंधित है? (2021)

(a) बाल गंगाधर तिलक
(b) जवाहरलाल नेहरू
(c) मोहनदास करमचंद गांधी
(d) सरोजिनी नायडू

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. महात्मा गांधी ने 'अनुबंधित श्रम' की व्यवस्था को समाप्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड के 'युद्ध सम्मेलन' में महात्मा गांधी ने विश्वयुद्ध के लिये भारतीयों को भर्ती करने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया।
3. भारतीय लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ने के परिणामस्वरूप औपनिवेशिक शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस को अवैध घोषित कर दिया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों पर प्रकाश डालिये। (2021)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mahatma-gandhi-s-154th-birth-anniversary